विवरण

क्रमांक	कम्पनी का नाम	माडल	अश्व शक्ति
1	आइश्वार गुडअर्थ लिमिटेड, फरीदाबाद	241	24
		242	24
		सोना	35
2	एस्कार्ट्स लिमिटेड, फरीदाबाद	ई-330	35
		ई-335	35
		ई-345	35
		ई-355	47
3	एस्कार्ट्स ट्रैक्टर्स लिमिटेड, फरीदाबाद	फोर्ड-3600	47
4	एच०एम०टी० लिमिटेड, पिंजौर	2511	25
		3511	35
		5911	58
5	किर्लोस्कर ट्रैक्टर्स लिमिटेड, नासिक	डी 4006 के	43
		डी 6006 के	75
		डी 10006 के	100
6	महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा लिमिटेड, बम्बई (अन्तर्राष्ट्रीय ट्रैक्टर प्रभाग)	बी-275	35
		444	45
7	पंजाब ट्रैक्टर्स लिमिटेड, चंडीगढ़	स्वराज-735	39
		स्वराज-720	19
8	ट्रैक्टर एण्ड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड, मद्रास	एम एफ-1035	35
		एम एफ-245	45

पावर टिलरों के माडल

1	मैसर्स बी०एस०टी०टिलर्स ट्रैक्टर्स, बंगलौर	शक्ति	8-12
2	मैसर्स केरल एग्रो-मशीनरी कारपोरेशन लिमिटेड, एर्णाकुलम	कामको	9-12

एच० एम० टी० के अधीन उद्योग

2034. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) एच०एम०टी० के अधीन कितने प्रकार के उद्योग हैं और इसके अनुषंगिक उद्योगों की संख्या कितनी है तथा ये उद्योग किन स्थानों पर स्थापित किए गए हैं या स्थापित किए जाने का विचार है; और

(ख) देश में विभिन्न प्रकार की घड़ियों की वार्षिक आवश्यकता कितनी है और इसमें से कितनी घड़ियों की पूर्ति एच०एम०टी० तथा अन्य कम्पनियों द्वारा की जाती है और इस समय कितनी घड़ियों का आयात किया जाता है ?

औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम० अरूणाचलम्) : (क) एच०एम०टी० के विभिन्न एककों के स्थापना स्थल तथा उनके उत्पादों को बताने वाला विवरण I संलग्न है। एच०एम०टी० की दो पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनियां भी हैं अर्थात् एच०एम०टी० (इन्टरनेशनल), जिसका मुख्यालय बंगलौर में है जो निर्यात कार्य देखती है तथा एच०एम०टी० बियरिंग, हैदराबाद जो घर्षणरोधी बियरिंगों का निर्माण करती है। इस समय 206 सहायक एकक बेंगलौर, पिंजौर, कलमश्शेरी हैदराबाद, अजमेर, श्रीनगर और तुमकुर स्थित एच०एम०टी० के विभिन्न एककों से सम्बद्ध हैं जिनके ब्यौरे विवरण–II में दिये जाते हैं। इसके अलावा, एच० एम०टी० के घड़ी व्यापार समूह के अन्तर्गत 13 घड़ी संयोजन एकक हैं वे भी एच०एम०टी० की सहायक कम्पनियों के रूप में कार्य करते हैं और उनके स्थापना स्थल विवरण–III में दिये जाते हैं।

(ख) देश में यांत्रिक घड़ियों की वार्षिक मांग 9 मिलियन होने का अनुमान लगाया गया है। एच०एम०टी० सहित संगठित क्षेत्र में इन घड़ियों का वर्तमान वार्षिक उत्पादन लगभग 6 मिलियन है। पूर्ण यांत्रिक घड़ियों के आयात की अनुमति नहीं दी जा रही है।

विवरण–I

एच०एम०टी० के एकक और उत्पाद

एकक	उत्पाद	स्थापना-स्थल
एच०एम०टी०–1 तथा 2	मशीनी औजार, डाईकास्ट मशीनें	बंगलौर (कर्नाटक)
एच०एम०टी०–3	मशीनी औजार, ट्रैक्टर	पिंजौर (हरियाणा)
एच०एम०टी०–4	मशीनी औजार, मुद्रण मशीनें	कलमश्शेरी (केरल)
एच०एम०टी०–5	मशीनी औजार, प्रैसें	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)
एच०एम०टी०–6	मशीनी औजार	अजमेर (राजस्थान)
हारोलाजिकल मशीनरी डिवीजन	मशीनी औजार	बंगलौर (कर्नाटक)
लैम्प डिवीजन	लैम्प	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)
डेरी मशीनें	डेरी मशीनें	औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
घड़ी कारखाना–1 तथा 2	घड़ियां	बंगलौर (कर्नाटक)
घड़ी कारखाना–3	घड़ियां	श्रीनगर (जम्मू तथा कश्मीर)
घड़ी कारखाना–4	घड़ियां स्टेनर मोटर	तुमकुर (कर्नाटक)
घड़ी कारखाना–5	घड़ियां	रानीबाग (उ०प्र०)
स्पेशलाइज्ड केस डिवीजन	घड़ियों के खोल	बंगलौर (कर्नाटक)
मिनिएचर बैटरी प्राजेक्ट	मिनिएचर बैटरियां	गौहाटी (असम)
इलैक्ट्रानिक वाच प्रोजेक्ट	क्वार्ट्ज एनालाग घड़ियां	बंगलौर (कर्नाटक)
मोहाली परियोजना	ट्रैक्टर (संयोजन)	मोहाली (पंजाब)

विवरण–II

स्थापना-स्थल	सहायक एककों की संख्या
बंगलौर	50
बिजौर	40
कलमशेरी	72
हैदराबाद	17
अजमेर	5
श्रीनगर	3
तुमकुर	19
योग :	206

विवरण – III

एच०एम०टी० की सहायता प्राप्त घड़ी संयोजन एकक

राज्य	स्थापना-स्थल
सिक्किम	गंगटोक
गोआ	मपुका
उत्तर प्रदेश	भवाली
तमिलनाडु	ऊटी
पंजाब	मोहाली
केरल	कसरगोड
महाराष्ट्र	कोल्हापुर
राजस्थान	अजमेर
पश्चिम बंगाल	दार्जलिंग
उड़ीसा	खुर्दा
मेघालय	शिलांग
मध्य प्रदेश	बेतुल
बिहार	रांची

जिला उद्योग केन्द्र

2035. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कितने जिलों में जिला उद्योग केन्द्र चल रहे है और इनमें से कितने सफलतापूर्वक चल रहे है तथा कौन से राज्य इस दिशा में अग्रणी है और कौन से राज्य पिछड़े हुए है; और

(ख) बिहार और उत्तर प्रदेश में जिला उद्योग केन्द्रों की क्या स्थिति है और क्या ये दोनों राज्य अन्य सभी राज्यों से पिछड़े हुए है; यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे है।

औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम्) : (क) और (ख) देश में 397 जिला उद्योग केन्द्र है जिसमें 410 जिले शामिल किए गए है। केन्द्रीय सरकार द्वारा राज्यों के सफल केन्द्रों और पिछड़े केन्द्रों के नामों का पता लगाने के लिए कोई गहन अध्ययन नहीं किया गया है।

Vehicles sold by Maruti Udyog Ltd.

2036. SHRI CHIMANBHAI MEHTA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) how many vehicles have been sold by Maruti Udyog Limited and the amount of the commission disbursed;

(b) how many applications for dealerships were received and the actual nominations made; what was the criteria for allotment of dealerships and whether 'India Today' in its February 28, 1986 issue had made a series of allegations for allotting dealerships;

(c) if so, what are the details thereof; and

(d) the names of the dealers of Maruti in Gujarat who do not have any experience in this business and the details therof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) The number